प्रेस–विज्ञप्ति 03 **मार्च**, 2022

"साइबर सिक्योरिटी- डिजिटल एरा" पर एक विशेष संवादात्मक सत्र

दिनांक 03 मार्च, 2022 को सायं 04:30 बजे से मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की वीमेन एंटरप्रेन्योर कमेटी द्वारा "साइबर सिक्योरिटी- डिजिटल एरा" पर एक विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। आयोजित किये गए संवादात्मक सत्र के मुख्य-वक्ता श्री रक्षित टंडन, हेड ट्रेनिंग साइबर पीस फाउंडेशन, डायरेक्टर / फाउंडर हैकर शाला, थे।

मर्चेंट्स चेम्बर के अध्यक्ष श्री अतुल कनोडिया ने मुख्य-वक्ता श्री रक्षित टंडन का स्वागत किया।

वीमेन एंटरप्रेन्योर कमेटी की सलाहकार डॉ. आरती गुप्ता ने श्री रक्षित टंडन का मर्चेंट्स चैम्बर में स्वागत करते हुए समस्त आगंतुकों एवं मीडियाकर्मियों का धन्यवाद दिया। डॉ. आरती ने मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश के बारे में बताया कि इसकी स्थापना वर्ष 1932 में व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग समुदाय के विकास हेतु की गयी थी। चेम्बर अपने सदस्यों, शहर व प्रदेश के व्यापारी गणों, उद्यमियों एवं जन समस्याओं के निदान के सम्बन्ध में शासन व प्रशासन को समय-समय पर अवगत कराता रहता है एवं समस्याओं के निदान हेतु सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करता रहता है। चेम्बर का इतिहास अपने आप में गौरवान्वित करने वाला है और हम सबको चेम्बर से जुड़ने और हम सबके लिए कुछ करने का गौरव प्राप्त हुआ है।

वीमेन एंटरप्रेन्योर कमेटी की चेयरपर्सन मिस मानसी लोहिया सत्र के मुख्य-वक्ता श्री रक्षित टंडन का संक्षिप्त परिचय दिया।

श्री रक्षित टंडन ने चेम्बर के प्रांगण में पधारे समस्त सदस्यों को धन्यवाद दिया और कहा कि आज हम सब यहां साइबर सिक्योरिटी विषय पर एक संवादात्मक गोष्ठी के लिए उपस्थित हुए है। साइबर सिक्योरिटी वर्तमान समय में एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और आज अगर कोई व्यक्ति साइबर थ्रेट का शिकार हो जाये तो इससे सुरक्षा कैसे की जा सकती है साथ ही निवारण क्या हो सकता है, हम सभी जानने और समझने का प्रयास करेंगे। आज एक इस डिजिटल या ओ.टी.टी. वर्ल्ड में टेक्नोलॉजी सबसे महत्त्वपूर्ण अंग है जो पल प्रतिपल बढ़ रही है और हम सबको यह ज्ञात होना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए कितनी डिजिटल डाइट आवश्यक है या हमें कितना डिजिटल ज्ञान ग्रहण करना है। बच्चों को जागरूकता के साथ टेक्नोलॉजी सिखाना और बड़ों को टेक्नोलॉजी के लिए प्रशिक्षित करना इस गोष्ठी का उद्देश्य है। श्री टंडन ने बतया कि वह कई साइबर सेल्स में कार्य कर चुके है, हजारों की तादाद में पुलिस अधिकारीयों को साइबर सिक्योरिटी में प्रशिक्षित कर चुके है साथ ही (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) स्तर पर लगभग 50 हज़ार स्कूल्स, कॉलेजेस, इंस्टीटूट्स में बच्चों और शिक्षकों को साइबर सिक्योरिटी का महत्त्व समझा चुके है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में किसी भी अन्य अपराध की तुलना में साइबर अटैक्स का ग्राफ (डबल डिजिट) में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। श्री टंडन ने डाटा ब्रीच, फिशिंग, गिफ्ट्स स्कैम्स, आदि को गूगल पर ईमेल आईडी और पासवर्ड के जरिए लाइव डेमोंस्ट्रेशन देकर समझाया। श्री टंडन ने कहा कि प्रत्येक को जितनी भी इमेल्स, सोशल साइट्स उपयोग करनी है कर सकता है लेकिन प्रत्येक का पासवर्ड अलग-अलग होना चाहिए ताकि अगर गलती से भी कोई ऑनलाइन अकाउंट हैक हो जाता है तो अन्य एकाउंट्स सुरक्षित रहे और जहाँ तक संभव हो पब्लिक वाई-फाई से बचना चाहिए और स्वयं के पास इंटरनेट सुविधा का उपयोग करना चाहिए। जीमेल

या प्रत्येक ईमेल में डिवाइस मैनेजमेंट, या अन्य एकाउंट्स पर टू- स्टेप वेरिफिकेशन / ऑथेंटिकेशन का विकल्प होता है जो उपयोगकर्ता के मोबाइल से जुड़ा रहता है, का उपयोग किया जा सकता है। श्री टंडन ने बताया कि https://haveibeenpwned.com/ वेबसाइट पर कोई भी (निशुल्क) अपनी ईमेल आई.डी. टाइप करके उसकी सुरक्षा / विश्वसनीयता की जाँच कर सकता है। श्री टंडन ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि उसके लैपटॉप / मोबाइल / डेस्कटॉप, डिवाइस / सिस्टम - साइबर थ्रेट या हैकिंग का शिकार हुआ है तो वह https://www.cybercrime.gov.in/ वेबसाइट पर अपनी शिकायत (रिपोर्ट) दर्ज करवा सकता है।

सत्र में प्रस्न्नोतर सत्र का आयोजन किया गया जिसे मिस प्रिया, सीमा, एवं ऋचा द्वारा समन्वयित (कोआर्डिनेट) किया गया।

सत्र के अंत में कन्क्लूजन रिमार्क्स श्री सुधीन्द्र जैन ने दिया एवं मंच का संचालन मिस साक्षी भारतीया किया।

कार्यक्रम में डॉ. जे.एन. गुप्ता, श्री संतोष कुमार गुप्ता, श्री शरद शाह, श्री अनिल सक्सेना, मिस प्रीती डायस, मिस प्रिया रहेजा, श्री महेंद्र मोदी-सचिव, कार्यकारिणी समिति के सदस्य, विभिन्न क्षेत्रों (शिक्षा जगत, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, शेयर मार्केट, अधिवक्तागण, शिक्षाविद आदि) से जुड़े विशेषज्ञ, उद्यमीगण तथा वीमेन एंटरप्रेन्योर कमिटी की महिला सदस्यगण आदि उपस्थित थे।